मानव तस्करी के पीड़ितों के लिए
अन्तर्राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस 2023

अन्तर्राष्ट्रीय
समाजिक न्याय कमीशन
मुक्ति फौज

मैंने उनका रोना सुन लिया है।

बाल संसाधन

मेजर सैंड्रा पवार द्वारा लिखित
दक्षिणी यू.एस.ए. टैरिटरी

परिचय

सपनों का कालीन : रवि की कहानी

यह एक सच्ची कहानी है। 'मेरा नाम रवि है।' मुझे लगता है कि मेरी उम्र 12 से 13 साल के बीच है। जब मैं छोटा था तो मेरे गांव में एक आदमी आया था। वह अपने लिए काम करने के लिए लड़कों की तलाश कर रहा था – हस्तनिर्मित कालीन बनाने के लिए। उसने मेरे माता-पिता से संपर्क किया और उन्हें बताया कि मैं अच्छी तनख्वाह कमाऊंगा। मैं अपना घर नहीं छोड़ना चाहता था और पहले तो मेरे माता-पिता ने मेरी बात मान ली। लेकिन इस आदमी को न में जवाब नहीं चाहिए था। अंत में, मेरे माता-पिता ने उसकी मांगों को मान लिया। उस आदमी ने मुझे ले जाने के लिए उन्हें 10 डॉलर दिए। लेकिन उसने झूठ बोला था। मैंने कुछ नहीं कमाया। मुझे अभी भी इस आदमी के घर तक की रेल यात्रा याद है। पूरी यात्रा के दौरान उसने मुझे खाना खिलाने से मना कर दिया। आखिरकार जब हम अपने गंतव्य स्थान पर पहुंचे तब जाकर उसने मुझे थोड़ी सी मात्रा में खाने के लिए कुछ दिया। अगले दिन मैं सो कर उठा और फिर से मुझे खाने के लिए कुछ नहीं दिया गया। इसके बाद वह आदमी मुझे उस जगह पर ले गया जहाँ सिलाई करघे और मशीनरी रखी हुई थी।

यह पहली बार था जब मैंने कोई करघा देखा था। मेरे पहले दिन से ही मुझे काम करने के लिए मजबूर किया गया। मुझे करघे पर बिठा दिया जाता था और अगर मैं इसे दिन भर में पूरा नहीं कर पाता, तो मुझे मोमबत्ती की रोशनी में काम करना पड़ता था। मुझे कई कई घंटों तक काम करने के लिए मजबूर किया जाता था, जिसकी वजह से मैं कभी भी पर्याप्त नींद नहीं ले पाता था, और क्योंकि मैं हमेशा थका रहता था, इसलिए मुझसे गलतियाँ भी हो जाती थीं। मुझे कोई पैसा नहीं मिलता था लेकिन मुझे एक बिस्तर मिला हुआ था। हम सब एक कमरे में सोते थे और काम करते थे और हमें वहां दिन में 12 घंटे काम करने के लिए मजबूर किया जाता था। हमें दिन में एक बार बाथरूम का उपयोग करने की अनुमति थी लेकिन बाथरूम ब्रेक की संख्या भी नियंत्रित थी। हमें बहुत कम खाना दिया जाता था – आमतौर पर बस थोड़े से चावल। अंत में, मुझे पुलिस द्वारा चलाए गए एक छापे अभियान में बरामद किया गया। मैं भयभीत था। मुझे लगा कि मुझे फिर से पीटा जाएगा और वे मुझे फेंक देंगे। सौभाग्य से, मुझे उस स्थान पर ले जाया गया जहाँ बच्चों की देखभाल की जाती हो। मैं यहाँ खुश हूँ। मेरे पास दोस्त हैं,मैं

** पहचान छिपाने के लिए नाम बदला गया है।*

खुश हूँ और मैं स्कूल जाता हूँ। वह मुझे यह समझाने में मदद कर रहे हैं कि मेरे साथ क्या हुआ था – कि मैं एक गुलाम था। अब मैं यह सीखने की कोशिश कर रहा हूँ कि इलेक्ट्रीशियन कैसे बनें। मुझे बिजली का विचार पसंद है। मेरा सपना है कि मैं अपने भाइयों, अपनी बहनों और अपने गांव के सभी लोगों को पढ़ाऊं।

प्रमुख विचार

एक गुलाम होने का या गुलामी में रहने का क्या मतलब है?

गुलामी कोई नई सोच नहीं है। यह कुछ ऐसा है जो हजारों सालों से हमारे आसपास चल रहा है और हम इसके बारे में बाईबल में भी पढ़ते हैं और जब हम यूनानियों, रोमनों और मिस्रियों के इतिहास का अध्ययन करते हैं कि कैसे वे सभी गुलामों को रखते थे। आज भी कई लोग ऐसे हैं जिन्हें गुलामी में रखा जाता है। वास्तव में, सम्भव है कि इस समय दुनिया भर में 49.6 मिलियन से भी अधिक गुलाम हो सकते हैं। यह बहुत अधिक है, है न?

चर्चागत प्रश्न

- आपको क्या लगता है कि किसी को गुलाम बनकर कैसा महसूस होगा?
- आपको क्या लगता है कि रवि ने (कहानी की शुरुआत में) गुलामी में जाने और अपने परिवार और गांव से अलग होने के बारे में कैसा महसूस किया होगा?
- क्या आपको लगता है कि परमेश्वर गुलामों और जो गुलामी में हैं उनकी परवाह करता है? क्यों या क्यों नहीं?
- क्या आपको लगता है कि हमें गुलामों और जो गुलामी में हैं उनकी परवाह करनी चाहिए? क्यों या क्यों नहीं?

गुलामों को अक्सर ऐसी स्थितियों में रखा जाता है जहाँ वह डरे हुए और असुरक्षित महसूस करते हैं और उन्हें अक्सर ऐसा महसूस कराया जाता है कि उनका कोई महत्व नहीं है और वह महत्वहीन हैं। उनसे ऐसे काम करवाए जाते हैं जो अनुचित और कठिन हैं और जो उन्हें चोट पहुँचाते हैं। उन्हें ऐसा भी महसूस हो सकता है कि उनके आँसू कोई नहीं देखता है या जिस हालात से वे गुजर रहे हैं उसे कोई नहीं समझता है। वह बहुत अकेले और उदास महसूस कर सकते हैं।

शुक्र है कि हम जानते हैं कि परमेश्वर उनकी परवाह करता है और वह उसके लिए मायने रखते हैं। वह उनसे अत्यंत गहरा प्रेम करता है और वह उनके दु:खों में उनकी दोहाई को सुनता है। हम बाईबल में निर्गमन की पुस्तक में पढ़ सकते हैं कि परमेश्वर परवाह करता है और वह सुनता है। निर्गमन 2:23–25 बताती है: 'बहुत दिनों के बीतने पर मिस्र का राजा मर गया। इस्राएली कठिन सेवा के कारण लम्बी लम्बी साँस लेकर आहें भरने लगे, और पुकार उठे, और उनकी दोहाई जो कठिन सेवा के कारण हुई वह परमेश्वर तक पहुँची। परमेश्वर ने उनका कराहना सुनकर अपनी वाचा को, जो उसने अब्राहम, इसहाक, और याकूब के साथ बाँधी थी, स्मरण किया। और परमेश्वर ने इस्राएलियों पर दृष्टि करके उन पर चित्त लगाया।' (हिंदी ओल्ड वर्जन)

चर्चागत प्रश्न

यह आयतें परमेश्वर के बारे में क्या बताती हैं? वे क्या कहते हैं कि परमेश्वर क्या करता है?

हजारों साल पहले जब इस्राएलियों के साथ गुलामों के रूप में बुरा व्यवहार किया जा रहा था, तब परमेश्वर ने उनकी परिस्थितियों की गहराई से परवाह की। आज भी इस संसार में वह उन करोड़ों लोगों की उतनी ही परवाह करता है जो गुलाम हैं, वयस्क हैं या रवि की तरह बच्चे हैं जिनके साथ गलत व्यवहार किया जा रहा है और जो सोचते हैं कि शायद ही

किसी को उनकी फिक्र है। ये आयतें जिनको हम निर्गमन की पुस्तक में पढ़ते हैं, बताती हैं कि वे अकेले नहीं हैं, और यह कि परमेश्वर सुनता है, परमेश्वर देखता है और वह जानता है।

जो गुलाम हैं, वयस्क हैं या रवि की तरह बच्चे हैं जिनके साथ गलत व्यवहार किया जा रहा है और जो सोचते हैं कि शायद ही किसी को उनकी फिक्र है। यह आयतें जिनको हम निर्गमन की पुस्तक में पढ़ते हैं, बताती हैं कि वह अकेले नहीं हैं, और यह कि परमेश्वर सुनता है, परमेश्वर देखता है और वह जानता है।

परमेश्वर हमसे यह भी चाहता है कि हम उन लोगों की परवाह करें जो गुलाम हैं और गुलामी में फंसे हुए हैं। वह चाहता है कि हम जानें कि ऐसे तरीके हैं जिनसे हम उन लोगों की मदद कर सकते हैं जिनके साथ बुरा व्यवहार किया जाता है।

चर्चागत प्रश्न

हम क्या कर सकते हैं आपके विचार क्या हैं? कुछ चीजें जो आप कर सकते हैं वह हैं :

1. संकेतों को जानें – जानें कि किन संकेतकों को ध्यान में रखना चाहिए ताकि यह पता चल सके कि किसी का शोषण किया जा रहा है। ध्यान में रखने योग्य कई बातें हैं जैसे कि लोगों का रहन-सहन, नौकरी की स्थिति और इस बात को देखना कि उनके प्रति उनके आसपास के अन्य वयस्कों का व्यवहार कैसा है।
2. इंटरनेट पर सुरक्षित रहना सीखें – आप और आपके मित्र एक-दूसरे को कैसे सुरक्षित रख सकते हैं?
3. आपने आज जो सीखा और गुलामी के संकेत अपने परिवार और दोस्तों के साथ साझा करें।
4. गुलामी, मानव तस्करी और शोषण के बारे में और अधिक जानें। अपने परिवार, दोस्तों और कलीसिया के साथ साझा करें। अपने स्कूल या संडे स्कूल में एक प्रस्तुति दें।
5. प्रार्थना करें! उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो गुलामी का अनुभव कर रहे हैं और काश परमेश्वर उनकी रक्षा करे और उनकी प्रार्थनाओं को सुने। हमारे अगुवों और गुलामी से छुड़ाए गए लोगों का समर्थन करने वाले संगठनों के लिए प्रार्थना करें।
6. लोगों के साथ दया, सम्मान और प्रेम का व्यवहार करें।
7. अपने दोस्तों और परिवार के सदस्यों को लोगों के साथ सम्मान, दया और प्यार से पेश आने के लिए प्रोत्साहित करें।
8. अपने स्कूल और कलीसिया और यहाँ तक कि सरकार में अगुवों से कहें कि वह असुरक्षित लोगों को बेहतर सुरक्षा और मदद प्रदान करें।

संकेतों को जानें – जानें कि किन संकेतकों को ध्यान में रखना चाहिए ताकि यह पता चल सके कि किसी का शोषण किया जा रहा है।

आइए उन सभी के लिए एक साथ प्रार्थना करें जिन्हें संसार में गुलाम बनाया जा रहा है और गुलामों की तरह व्यवहार किया जा रहा है।

प्रिय यीशु,

कृप्या दुनिया भर के गुलामों और दासत्व की मदद करें। उनके दिल और उनके दिमाग की रक्षा करें। उन्हें आज़ादी पाने दें और सुरक्षा पाने में उनकी मदद करें। उनके परिवारों की रक्षा करें और मदद करें जो अलग हो गए हैं ताकि वह फिर इक्ठ्ठे हो सकें। उन्हें यह जानने में मदद करें कि आप उनसे प्यार करते हैं और उनकी परवाह करते हैं और यह कि आप उनके साथ हैं, भले ही जीवन कठिन और उदास हो। उन्हें बताएँ कि वह महत्वपूर्ण और प्रिय हैं।

आमीन

एलिना की ओर से प्रार्थना, उम्र 9 वर्ष – कहानी बताने के नैतिक ढांचे के अनुसार अनुमति प्राप्त।

गतिविधि फ्रोजन टेग

एक ऐसे क्षेत्र में जहां बच्चे चल-फिर सकते हैं/भाग सकते हैं, एक व्यक्ति को 'वह' होने के लिए चुनें। दूसरे बच्चों को भागने के लिए 20 सेकेंड का समय दें। 20 सेकंड के बाद, जो बच्चा 'वह' है वह दूसरे बच्चों को टैग करने के लिए दौड़ सकता है। यह बच्चे खुद को टैग करवाना नहीं चाहते हैं। यदि उन्हें टैग कर दिया जाता है, तो उन्हें 'फ्रीज' (रुकना) होना होगा, जहाँ वे हैं और अपने हाथ बाहर निकालने होंगे। वह उन अन्य बच्चों को बुला सकते हैं जिन्हें टैग नहीं किया गया है, उनसे कह सकते हैं कि वह उनकी बाहों के नीचे से दौड़ कर उन्हें अनफ्रीज करें और मुक्त करें। हम इसे जीवन में भी साझा कर सकते हैं, हम उनकी चीखें सुनना चाहते हैं जो गुलामी में हैं और उनके साथ और अन्य वयस्कों के साथ काम करके उन्हें मुक्त देखना चाहते हैं ठीक उसी तरह जैसे हम

गतिविधि विकल्प शिल्प

फ्रोजन टैग के खेल में कर रहे हैं। अलग-अलग रंग की कागज की पट्टियों का उपयोग करते हुए, प्रत्येक बच्चा एक ले ले और उस पर 'समाप्त करो' लिख दें। गोंद, टेप या स्टेपल का उपयोग करके, प्रत्येक पेपर स्ट्रिप्स को एक पेपर चेन बनाने के लिए जोड़ें जो गुलामी को समाप्त करने के लिए एकजुट खड़े होने की उनकी और कलीसिया की प्रतिबद्धता को दर्शाएगा। आपके यह देखने के लिए एक प्रतियोगिता भी रख सकते हैं कि कौन सबसे लंबी चेन बना सकता है। आने वाले हफ्तों में सभी को याद दिलाने के लिए इसे अपने स्थान पर लटकाएं कि हम दुनिया में गुलामी को समाप्त करने के लिए समर्पित हैं।